

बालाजी के दरबार पे | By Kamal Kishore Kavi

चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे
दुःख कट जाते जहाँ सारे संसार के
चलो सारे चलो बाबाजी के दरबार पे

सारे जग से बालाजी के दर की शान निराली है
दुःख कलेश का नाम नहीं बस खुशहाली खुशहाली है
सदके जाऊं वारे जाऊं बाबाजी के प्यार पे
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

सुन्दर छवि है बालाजी की द्वारा मन को भाता है
मनोकामना पूरी हो जाए जो भी चल के आता है
बाबाजी ना खाली मोड़े बिना किसी उपहार के
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

कर्मरूपाद बाला मेहंदीपुर में शीश झुकाता है
कमल किशोर कवी हर दम बाबा की महिमा गाता है
जलवे सारे न्यारे भक्तों इस सच्ची सरकार के
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-kamal-kishore-kavi/>